

GLOBAL WARMING (वैश्विक तापमान)

→ **वैश्विक तापमान** बढ़ने का मतलब है कि पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है।

* वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में सूखा (Drought), बाढ़ की घटनाएँ (flood events) और मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ दिखाई देगा।

क्या है ग्लोबल वार्मिंग —

यह, पृथ्वी के तापमान में वृद्धि और इसके कारण मौसम चक्र में होने वाले परिवर्तन से है; जिसके परिणामस्वरूप हिमखण्डों और ग्लेशियरों के पिघलने, चक्रवात, बारिश के तरीकों में बदलाव, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि होने से वनस्पति तथा जन्तु जगत प्रभावित हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों द्वारा तथ्य की गई भविष्यवाणी, ग्लोबल वार्मिंग दुनिया को इतनी बड़ी समस्या होने वाली है कि यह 21 वीं सदी का सबसे बड़ा खतरा हो सकता है जो कि किसी तृतीय विश्वयुद्ध या किसी सुदृढ़ (एन्क्लाइड) के पृथ्वी से त्वराने से भी बड़ा माना जा रहा है।



arihant
SUCCESS
AND NOTHING
LESS

Date Ajay Singh

कारण :- ग्लोबल वार्मिंग के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार ग्रीन हाउस गैसें होती हैं।

ये गैसें होती हैं जो बाहर से मिल रही उष्मा / गर्मी को अपने अंदर सोख लेती हैं अर्थात् Absorb कर लेती हैं।

ग्रीन हाउस गैसों का इस्तेमाल (प्रयोग) उन शब्दों में किये जाते हैं जहाँ पर अत्यधिक ठण्ड पड़ती है और पौधों को एक वॉन्च के घर (उष्मा को बनाये रखने के लिए) में रखा जाता है, जिससे सूर्य की किरणों से पौधों आवश्यक उष्मा प्राप्त हो सके।

ये प्रमुख ग्रीन हाउस गैसें हैं —

CO_2 , CFC_5 gases, CH_4 , O_3 & NO_x

Green House Gases

घातक परिणाम -

* ग्रीन हाउस गैस वे गैस होती है जो पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर यहाँ का तापमान बढ़ाने में कारक बनती है।

→ वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि इन गैसों का उत्सर्जन इसी प्रकार चलता रहा तो **21वीं सदी** में पृथ्वी का तापमान **3°C से 8°C** तक बढ़ सकता है।

इसके परिणाम बहुत घातक हो सकते हैं, दुनिया के कई हिस्सों में फैली हुई बर्फ की चादों (परतों) या Layer पिघल जायेंगी, जिसके कारण **समुद्र का जलस्तर बढ़ जायेगा**, जिससे दुनिया के कई शहर जलमग्न हो जायेंगे और भारी तबाही भयेगी।

जागरूकता :- इस माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग से लड़ा जा सकता है। अर्थात् जागरूकता मोक्ष के द्वार इस पर (Global Warming) कबू (नियंत्रण) पाया जा सकता है।

पृथ्वी को सही मायने में Green (हरा - भरा) बनना होगा, जिसके लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाये जायें।

→ कार्बन उत्सर्जन (फैक्टोरियों, पावर स्टेशन, वातावरण साधनों से) को कम करना होगा।







